AMAR UJALA

इंजीनियरिंग छात्रों के लिए टेलीकॉम कंपनी में नौकरी पाने का बड़ा मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए टेलीकॉम कंपनी में रोजगार के अवसर हैं। विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की पहल पर हाई-टेक्सटनेक्स्ट इंजीनियरिंग एंड टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड ने इंजीनियरिंग विषय से जुड़े विद्यार्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 दिसंबर है।

ये कंपनी देशभर में टेलीकॉम सर्वे, इंस्टॉलेशन, कमीशनिंग, इलेक्ट्रिकल सेफ्टी और अन्य तकनीकी सेवाएं देती हैं। ऐसे में विद्यार्थी देश के किसी भी हिस्से में काम कर सकता है। कंपनी की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, यह फुल-टाइम पद है जिसमें शुरुआती तीन महीने प्रशिक्षण अवधि शामिल है।

10 दिसंबर तक कर सकते हैं आवेदन, 2000 युवाओं को मिलेगा इंटर्नशिप का मौका

2000 युवाओं को इंटर्नशिप का मौका मिलेगा। इस दौरान शैक्षणिक योग्यता के अनुसार लगभग 11,000 से 17,000 प्रतिमाह तक का मानदेय, आवास सुविधा तथा कुछ पदों पर यात्रा भत्ता भी दिया जाएगा।

तीन माह के प्रशिक्षण के बाद 2000 में से चयनित 50 फीसदी उम्मीदवारों के वेतन में प्रदर्शन के आधार पर लगभग 50 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। वार्षिक पैकेज लगभग 3 से 4 लाख रुपये तक निर्धारित किया गया है। चयन के बाद एक वर्ष का बांड साइन करना होगा। यह अवसर केवल पुरुष उम्मीदवारों के लिए ही है।

टेलीकॉम साइट सर्वे, नेटवर्क उपकरणों की इंस्टॉलेशन व कमीशनिंग, इलेक्ट्रिकल व फायर सेफ्टी ऑडिट, तकनीकी दस्तावेज तैयार करना और फील्ड सुरक्षा मानकों का अनुपालन, समस्या-समाधान क्षमता, टीमवर्क, संचार कौशल और देशभर में कार्य करने की तत्परता रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। (संवाद)

■ **यहां से करें आवेदन :** इच्छुक उम्मीदवार इस लिंक https://forms.gle/fRmqDc1AtRk28DNx5 के माध्यम से फॉर्म भरकर आवेदन कर सकते हैं।

विवि व महाविद्यालय इंजीनियरिंग से संबंधित शाखाओं के इच्छुक छात्रों के लिए ये अच्छा मौका है। लिंक पर पूरा विवरण दिया गया है। अभ्यर्थी आवेदन के दौरान सभी शर्तें अच्छे से पढ़ लें। - **प्रो. अनूप कुमार,** भारतीय निदेशक केंद्रीय प्लेसमेंट सेल, लविवि

I NEXT

छात्रों के लिए टेक्निकल इंजीनियर पोस्ट पर मौका

सिलेक्शन के बाद कैंडीडेट्स को एक साल का बॉन्ड साइन करना होगा

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(6 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की तरफ से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, हाई टेक्सटनेक्स्ट इंजीनियरिंग एंड टेलिकॉम प्राइवेट लिमिटेड में इंजीनियरिंग बैकग्राउंड वाले स्टूडेंट्स के लिए टेक्निकल साइट इंजीनियर पोस्ट पर प्लेसमेंट की अपॉर्चुनिटीज हैं. ये पोस्ट फुल टाइम के लिए है, जिसमें स्टार्टिंग के तीन महीने प्रोबेशन पीरियड के होंगे. जिसमें कैंडिडेट्स को उनकी क्वालिफिकेशन के अकॉर्डिंग 10,000 से 17,000 पर मंथ के हिसाब से स्टाइपेंड, रहने की सुविधा आदि दी जाएगी. प्रोबेशन पीरियड खत्म होने के बाद परफॉर्मेंस के बेस पर सैलरी में लगभग 50 परसेंट तक का इंक्रीमेंट किया जाएगा. जिससे ईयरली पैकेज 3-4 लाख तक रहेगा. सिलेक्शन के बाद कैंडीडेट्स को एक साल का बॉन्ड साइन करना होगा और ट्रेनिंग के लिए 22,000 रुपए सिक्योरिटी जमा करनी होगी. इस पोस्ट के लिए अप्लाई करने की लास्ट डेट 10 दिसंबर है.

I NEXT

तीन साल में चार गुना बढ़ी फीमेल कैडेट्स की संख्या

ताइक्वांडो ट्रेनिंग से लेकर ट्रेकिंग अपॉर्चुनिटीज तक वीमेन को कर रहीं अट्रैक्ट

LUCKNOW (6 Dec, inext): वीमेन इम्पावरमेंट की एक बड़ी मिसाल लखनऊ यूनिवर्सिटी की 64 यूपी एनसीसी बटालियन में देखने को मिल रही है. जिस एनसीसी विंग में 3 साल पहले तक गर्ल्स की संख्या गिनी चुनी होती थी, वो अब 4 गुना बढ़ गई है. इसका बड़ा रीजन है गर्ल्स का डिसिप्लिन और सेल्फ डिफेंस की तरफ बढ़ा रुझान, खुद को मजबूती के साथ स्थापित करने की ललक, जो उन्हें मजबूत सिपाही के तौर पर तैयार होने को मोटिवेट करता है...

iSPECIAL

देखते देखते 4 गुना बढ़ी संख्या

एलयू के 64 यूपी एनसीसी बटालियन के लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश यादव ने बताया कि साल 2022 में एनसीसी विंग में केवल 15-16 गर्ल्स थीं, जिसके बाद कई कैंप लगाए गए, गर्ल्स ने उनमें बेहतरीन प्रदर्शन किया. यूनिवर्सिटी की तरफ से गेम्स में पार्टिसिपेट किया और भी कई अपॉर्चुनिटीज फीमेल कैडेट्स को मिलीं. 2025 में हमारे पास कुल 62 फीमेल कैडेट्स हैं. गर्ल्स की बढ़ती संख्या देखते हुए हमने फीमेल कैडेट इंस्ट्रक्टर भी अपॉइंट की हैं. एलयू एनसीसी विंग में कुल 160 सीटें हैं, जिनमें से 62 फीमेल कैडेट्स हैं.

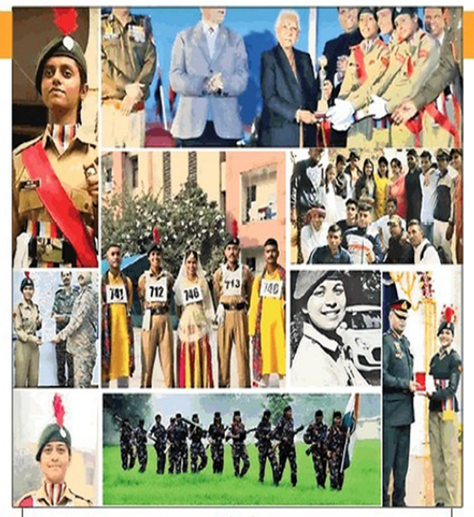

एनसीसी की तरफ बढ़ा रुझान

एनसीसी 'सी' सर्टिफिकेट होने पर आर्म्ड फोर्सेज के कई विंग्स में डायरेक्ट एंट्री, एसएससी भर्ती में अतिरिक्त वेटेज और सिविल सर्विसेज में भी पॉइंट्स मिलने से गर्ल्स का एनसीसी की तरफ रुझान बढ़ा है. एनसीसी से उन्हें लीडरशिप, पब्लिक स्पीकिंग और इमरजेंसी मैनेजमेंट जैसी स्किल्स मिली हैं, जो ना सिर्फ फ्यूचर पर्सपेक्टिव से बल्कि पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए भी हेल्पफुल हैं. एलयू दीक्षांत समारोह में वीसी गोल्ड मेडल ज्यादातर बेस्ट एनसीसी कैडेट को ही मिलता है.

कम्यूनिटी डेवलपमेंट

एनसीसी की फीमेल कैडेट्स जबरदस्त ट्रेनिंग और वेहतर गाइडेंस के साथ ताइक्वांडो जैसे गेम्स में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं. कैडेट अदिति पांडेय स्टेट लेवल गोल्ड और नेशनल लेवल पर सिल्वर जीत चुकी हैं, वहीं अंडर ऑफिसर प्रेरणा शर्मा स्टेट आर्म्ड चैम्पियनशिप में 1 गोल्ड के साथ 1 सिल्वर जीत चुकी हैं. ये फीमेल कैडेट्स कम्यूनिटी वर्क भी करती हैं.

बीते सालों में एनसीसी की तरफ गर्ल्स का रुझान बढ़ा है, उन्हें बेहतर अपॉर्चुनिटीज भी मिली हैं. हमारी कोशिश है कि ये संख्या लगातार बढ़े और गर्ल्स मजबूती से आगे बढ़ें.
लेफ्टिनेंट कर्नल अनिमेश राय

एनसीसी एक कैडेट को न सिर्फ फिजिकली बल्कि मेंटली स्ट्रॉन्ग बनाती है बल्कि स्पोर्ट्स अपॉर्चुनिटीज, ट्रेकिंग अपॉर्चुनिटीज, एक्स्ट्रा मार्क्स वेटेज भी प्रदान करती है. **लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश यादव**

यूनिवर्सिटी दे रही बेहतर सुविधाएं

एलयू प्रशासन ने गर्ल्स कैडेट्स के लिए अलग चेंजिंग रूम, सुरक्षित परेड ग्राउंड और स्पोर्ट्स सपोर्ट बढ़ाया है. मेडिकल किट्स, फर्स्ट-एड ट्रेनिंग और फीमेल इंस्ट्रक्टर का होना भी गर्ल्स को अट्रैक्ट करता है. 64 यूपी एनसीसी बटालियन में लेफ्टिनेंट कर्नल अनिमेश राय, लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश यादव, सूबेदार मेजर आशीष सिंह कैडेट्स को मजबूत सिपाही के तौर पर तैयार कर रहे हैं.

AMAR UJALA

समाज को सही आईना दिखाएं लेखक

लखनऊ। लखनऊ विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज (आईटीएस) में शनिवार को मीट द ऑथर शीर्षक से साहित्यिक आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता प्रख्यात कवि, उपन्यासकार और चौधरी चरण सिंह विवि मेरठ के अंग्रेजी विभाग में प्रोफेसर विकास शर्मा रहे। उन्होंने कहा कि लेखकों को समाज को सही आईना दिखाना चाहिए। संवाद सत्र में विद्यार्थियों ने समकालीन कथा-साहित्य, आलोचना और उभरती लेखकीय आवाजों पर प्रश्न पूछे, जिनका प्रोफेसर शर्मा ने उत्तर दिया। (संवाद)

HINDUSTAN

'समाज को सही आइना दिखाएं लेखक'

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज (आईटीएस) में मीट द ऑथर शीर्षक से साहित्यिक आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता प्रख्यात कवि, उपन्यासकार और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के अंग्रेजी विभाग में प्रो. विकास शर्मा रहे। निदेशक डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, सारथी फाउंडेशन के अध्यक्ष संजय डेविड समेत कई अन्य उपस्थित रहे।